विश्व मृदा दिवस

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना में दिनांक 5 दिसम्बर 2016 को विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि श्री संजीव कुमार चौरसिया, माननीय विधायक, दीघा विधान सभा क्षेत्र, पटना थे | इस अवसर पर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की किसानों के लिए शुरू की गई मृदा स्वास्थ्य कार्ड का कार्यान्वयन बिहार राज्य में ठीक से नहीं हो रहा है तथा राज्य लक्ष्य प्राप्ति में हमेशा पीछे रह रहा है | उन्होंने कहा कि इस वर्ष बिहार राज्य के लिए कुल 8 लाख 86 हज़ार मृदा नमूने की जांच के लक्ष्य रखे गए थे परन्तु वह अभी मात्र 2 लाख 10 हज़ार यानी करीब 25 प्रतिशत ही कर पाया है | उन्होंने संस्थान द्वारा किसानों के लिए किये जाने वाले प्रयासों की सराहना की | इस अवसर कृषक वैज्ञानिक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें कराई; सिमरा; बादीपुर; दिमरा, बिक्रम; डीहरा, नौबतपुर एवं महंगूपुर गाँवों के लगभग 100 किसानों ने भाग लिया |

इसके पूर्व संस्थान के निदेशक डॉ. बी. पी. भट्ट ने स्वागत भासन में मृदा जाँच के बारे में किसानों को बताया | उन्होंने कहा कि धरती हमारी माँ है ओर इसकी स्वास्थ्य की रक्षा करना हम सबों का कर्तव्य है | मिट्टी को स्वस्थ रखकर ही हम पूर्वी भारत में द्वितीय हरित क्रांति लाने में सफल हो सकते हैं | इस अवसर पर डॉ. अमिताभ डे, प्रधान पशुधन एवं मत्स्यिकी प्रबंधन विभाग एवं डॉ. अभय कुमार, प्रधान, सामाजिक-आर्थिक एवं प्रसार विभाग ने भी अपने विचार रखे | डॉ. उज्ज्वल कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, कृषि विस्तार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया |